।।श्रीश्यामदेवायनमः।।

मंगलम्भगवानविष्णु,मंगलम् गरुडध्वजः।
मंगलम् पुण्डरीक्षः मंगलाय तनोहरि ।।

:स्वागतसमारोह एवं स्वरुचिभोज :

.....वार, दिनांक .....

सायंकाल..... से..... बजे

:आमंत्रितस्थलः

.....
.....
.....

वरपक्षः	:प्रतिष्ठानः	वधूपक्षः
.....		.....
.....		.....
.....		.....
.....		.....
.....		.....

Code 1

।।श्री गणेशाय नमः।।

वक्रतुण्ड महाकाय, सूर्यकोटि समप्रभः।
निर्विघ्नंकुरुमेदेव, सर्व कार्येषु सर्वदा।।

श्रीमती..... एवं .....

अपने सुपुत्र एव पुत्रवधु

विशाल

संग

श्रद्धा

के विवाहोपलक्ष्य पर आयोजीत
स्वागत समारोह एवं स्वरुचि भोज में आप सादर आमंत्रित है
कृपया इस सुनहरे अवसर पर पधारकर नवदम्पति को अपना स्नेहाशीष प्रदान करें
(सुपुत्री साहजी ..... एवं श्री .....)

.....वार, दिनांक

सांयः बजे

आपके आगमन तक

। स्थान ।

.....
.....
.....

दर्शनाभिलाषी

विनीत

....
....
....

Code 2

: स्वागत समारोह एवं स्वरुचि भोज :

आत्मीय स्वजन,

मंगलकारी परमात्मा की अपार कृपा से
हमारे परिवार में आया है खुशियों का अवसर ।

चि. विनीत

(सुपुत्र श्रीमती ..... एवं श्री .....)
(सुपौत्र श्रीमती ..... एवं .....)

और

सौ.कां. तृषा

(सुपुत्री श्रीमती ..... एवं साहजी श्री .....)
(सुपौत्री श्रीमती..... एवं साहजी श्री .....)

का वि.सं. ..... के दिन
परिणयोत्सव संपन्न होगा उल्लास - उमंग के संग । नयनरम्य नवयुगल की सहजीवजयात्रा को
आशीर्वादमय बनाने के लिए लग्नोत्सव और सत्कार समारोह में
आपकी सहस्वजन उपस्थिति के लिए विनंती करते हुए हमें हो रही है प्रसन्नता ।

घडचढी : .....
स्थान : .....
.....

बारात रिअसेम्बली : .....
स्थान : .....
.....

सत्कार समारोह एवं स्वरुचि भोज : .....
स्थल : .....
.....

॥ आपकी आशीर्वादमय उपस्थिती ही सर्वश्रेष्ठ उपहार ॥

Code 3